ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2019

HINDI (हिन्दी)

समयः 3 घण्टे] **SET-A** **[पूर्णांक: 80**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

खण्ड-क : अपठित गद्यांश (15 अंक)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:

शास्त्री जी की एक सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे एक सामान्य परिवार में ही उनकी परवरिश हुई और जब वे देश के प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर पहुँचे, तब भी वह सामान्य ही बने रहे। विनम्रता, सादगी और सरलता उनके व्यक्तित्व में एक विचित्र प्रकार का आकर्षण पैदा करती थी। इस दृष्टि से शास्त्री जी का व्यक्तित्व बापू के अधिक करीब था और कहना न होगा कि बापू से प्रभावित होकर ही सन् 1921 ई. में उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ी थी। शास्त्री जी पर भारतीय चिन्तकों डॉ. भगवानदास तथा बापू का कुछ ऐसा प्रभाव रहा कि वह जीवन भर उन्हीं के आदर्शों पर चलते रहे और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करते रहे। शास्त्री जी के संबंध में मुझे बाइबिल की वह उक्ति बिलकुल सही जान पड़ती है कि 'विनम्र ही पृथ्वी के वारिस होंगे'।

शास्त्री जी ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में तब प्रवेश किया था, जब वे एक स्कूल के विद्यार्थी थे और उस समय उनकी उम्र 17 वर्ष की थी। गाँधी जी के

आह्वान पर उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी की। उनका मन हमेशा देश की आजादी और सामाजिक कार्यों की ओर लगा रहा। परिणाम यह हुआ कि सन् 1926 ई. में वे 'लोक सेवा मंडल' में शामिल हो गए, जिसके वे जीवन भर सदस्य रहे ।

प्रश्न-

(क) शास्त्री जी की सबसे बड़ी विशेषता क्या थी?

(ख) किन गुणों के कारण शास्त्री जी का जीवन गाँधीजी के करीब था ?

(ग) शास्त्री जी ने हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में किनके आह्वान पर और कब प्रवेश किया?

(घ) शास्त्री जी 1926 ई. में किसमें शामिल हो गए?

(ङ) 'विनम्र ही पृथ्वी के वारिस होंगे' का क्या आशय है?

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

मन समर्पित, तन समर्पित,

और यह जीवन समर्पित,

चाहता हूँ देश की धरती,

तुझे कुछ और भी दूँ।

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है , मैं अकिंचन,

किंतु इतना कर रहा फिर भी निवेदन-

थाल में लाऊँ सजाकर भात जब भी ,

कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण।

गान अर्पित, प्राण अर्पित,

रक्त का कण-कण समर्पित,

चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

कर रहा आराधना में आज तेरी ,
एक विनती तो करो स्वीकार मेरी ,
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी ।
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

प्रश्न-

(क) इस काव्यांश का मूल भाव क्या है?

(ख) कवि अपनी मातृभूमि का ऋण कैसे चुकाना चाहते हैं?

(ग) 'तुझे कुछ और भी दूँ' मैं तुझे संबोधन किसके लिए है?

(घ) कवि के पास माँ का क्या ऋण है?

(ङ) कवि मातृभूमि से क्या विनती कर रहे हैं?

खण्ड ख : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) पवन रसगुल्ला खा रहा है। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए।)

(ख) गाड़ी तेज नहीं चलना चाहिए। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए।)

(ग) वह तुम्हारा नाम जानता है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए)

प्रश्न 4. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पवों से कीजिए:

(क) वह .... विद्यालय जाता है।

(ख) अनुराग .... आलोचना ही करता है।

(ग) मेरे घर के .... मैदान है।

(घ) .... ! तुमने अच्छी तरक्की की।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) रचना के अनुसार वाक्य के भेदों के नाम लिखिए।

(ख) जहाँ-जहाँ वह गया, उसका बहुत सम्मान हुआ। (यह कौन वाक्य है?)

(ग) सिपाही द्वारा चोर पकड़ा गया। (कृतवाच्य में बदलें)

(घ) कलाकार मूर्ति गढ़ंता है। (कृतवाच्य में बदलें)

प्रश्न 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

(क) 'कृष्णर्जुन' का समास विग्रह करें।

(ख) 'यथासंभव' कौन समास है?

(ग) बहुब्रीहि समास का एक उदाहरण दें।

(घ) 'गुरु' के दो भिन्न अर्थ लिखिए ।

खण्ड - ग : पाठ्य पुस्तकें (30 अंक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुक-भरा लग रहा था। इन्हीं खयालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चश्मेवाले की देश-भक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आजाद हिन्द फौज का भूतपूर्व सिपाही ?

पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुसकराकर बोला-नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में। पागल है पागल ।

(क) हालदार साहब को कौन-सी बात विचित्र और कौतुक-भरी लग रही थी?

(ख) हालदार साहब ने पानवाले से क्या पूछा?

(ग) पानवाला किसलिए हँस पड़ा ?

अथवा

आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो इतना तो समझ में आता ही है क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा। यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रशंसा बनकर बह रहा था या यह भी हो सकता है कि आज से पचास साल पहले अजमेर जैसे शहर में चारों ओर से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के यों धुआँधार बोलते चले जाना ही उसके मूल में रहा हो। पर पिता जी । कितनी तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे वे । एक ओर विशिष्ट बनने और बनाने की प्रबल लालसा तो दूसरी ओर अपनी सामाजिक छवि के प्रति भी उतनी ही सजगता ।

प्रश्न -

(क) यहाँ किस डॉ. साहब की चर्चा है? उन्होंने लेखिका के प्रति किस बात की प्रशंसा की?

(ख) लेखिका के पिताजी का अंतर्विरोध क्या था?

(ग) लेखिका किस शहर में रह रही थी?

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) पठित पाठ के आधार: पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए।

(ख) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा?

(ग) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

(घ) काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यो दृष्टि न रूप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ॥

प्रश्न-

(क) गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?

(ख) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गयी है?

(ग) गोपियाँ किसे भोली और अबला कह रही हैं?

अथवा

बादल, गरजो ! -
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो - बादल, गरजो !

प्रश्न-

(क) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए क्यों कह रहे हैं?

(ख) कवि बादल को क्या घेरने के लिए कह रहे हैं और क्यों?

(ग) 'विद्युत-छवि उर में' का क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए ।

(ख) बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अन्तर है?

(ग) कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

(घ) सफलता के चरम शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं?

प्रश्न 11. 'माता के अँचल' पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हों ।

अथवा

जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की भौगोलिक स्थिति एवं वहाँ के जनजीवन के बारे में जो महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड - घ : रचना (20 अंक)

प्रश्न 12. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखें:

(क) समाचार पत्र का महत्व :

(संकेत बिन्दु-भूमिका, लोकतंत्र का प्रहरी प्रचार का सशक्त माध्यम, उपसंहार)

(ख) कम्प्यूटर-विज्ञान का अद्‌भुत वरदान :

(संकेत बिन्दु-भूमिका, कम्प्यूटर के उपकरण, कम्प्यूटर का कार्य, उपसंहार।)

(ग) हमारा राज्य झारखण्ड :

(संकेत बिन्दु-परिचय, इतिहास, सीमा, निवासी एवं साधन, उपसंहार।)

प्रश्न 13. समय के सदुपयोग और परिश्रम का महत्व बतलाते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए ।

अथवा

अपने मुहल्ले में सड़कों एवं नालियों की समुचित सफाई-व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु नगरपालिका अध्यक्ष को एक अनुरोध पत्र लिखिए।

प्रश्न 14. समाज में बढ़ रहे अपराधों के प्रति जन जागरूकता हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

अथवा

'किसी प्रसिद्ध हर्बल साबुन' उत्पाद की बिक्री हेतु लगभग 50 शब्दो में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।